Total Pages : 8

1641/R

I Year Arts Examination, 2017

SANSKRIT

Paper–I

(काव्य, नाटक एवं प्रायोगिक व्याकरण)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

PART - A (खण्ड-अ) [Marks : 20

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - B (खण्ड-ब) [Marks : 50

Answer *five* questions (250 words each).
Selecting *one* from each unit. All questions carry equal marks.
प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - C (खण्ड-स) [Marks : 30

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.
कोई दो प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. निम्नलिखित सभी प्रश्न अनिवार्य है :

इकाई-I

(i) "तिस्त्रो गतयो भवन्ति वित्तस्य" नाम बताइये।

(ii) मनस्वी व्यक्तियों की दो वृत्तियाँ कौनसी हैं?

इकाई-II

(iii) नीतिकारमत में अच्छे मित्र के लक्षण क्या है?

(iv) न्यायोचित मार्ग से एक कदम भी कौन विचलित नहीं होता है?

इकाई-III

(v) उदयन कौन था?

(vi) अग्निदाह कहाँ पर हुआ था?

इकाई-IV

(vii) वसन्तक कौन था?

(viii) वासवदत्ता की वीणा का क्या नाम था?

इकाई-V

(ix) 'व्यपगतः' में प्रकृति-प्रत्यय बताइये।

(x) 'वाण्येका' में संधि-विच्छेद एवं संधि का नाम बताइये।

खण्ड-ब

इकाई-I

2. सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

साहित्यसंगीतकला विहीनः, साक्षात्पशुः पुच्छविषाणहीनः।

तृणं न खादन्नपि जीवमानस्तद्भागधेयं परमं पशूनाम्।।

अथवा

अकरुणत्वमकारणविग्रहः, परधने परयोषिति च स्पृहा।

सुजनबन्धुजनेष्वसहिष्णुता, प्रकृतिसिद्धमिदं हि दुरात्मनाम्।।

इकाई-II

3. सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

भवन्ति नम्रास्तरवः फलोदमैः, नवाम्बुभिर्दूरविलम्बिनो घनाः।

अनुद्धताः सत्पुरुषाः समृद्धिभिः, स्वभाव एवैष परोपकारिणाम्।।

अथवा

वने रणे शत्रुजलाग्नि मध्ये, महार्णवे पर्वतमस्तके वा।

सुप्तं प्रमत्तं विषमस्थितं वा, रक्षन्ति पुण्यानि पराकृतानि।।

इकाई-III

4. सप्रसंग में व्याख्या कीजिये :

खगा वासोपेता: सलिलमवगाढो मुनिजनः,

प्रदीप्तोऽग्निर्भाति प्रविचरति धूमो मुनिवनम्।

परिभ्रष्टो दूराद्रविरपि च संक्षिप्तकिरणो,

रथं व्यावर्त्यासौ प्रविशति शनैरस्तशिखरम्।।

अथवा

ऋज्वायतां च विरलां च नतोन्नतां च,

सप्तर्षिवंशकुटिला च निवर्तनेषु।

निर्मुच्यमानभुजगोदरनिर्मलस्य,

सीमामिबाम्बरतलस्य विभज्यमानान्।।

इकाई-IV

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

यदि तावदयं स्वप्नो धन्यमप्रतिबोधनम्।।

अथायं विभ्रमो वा स्याद् विभ्रमो ह्यस्तु मे चिरम्।।

अथवा

कातरा येप्यशक्ता वा नोत्साहस्तेषु जायते।

प्रायेण हि नरेन्द्रश्रीः सोत्साहैरेव भुज्यते।।

इकाई-V

6. प्रश्न संख्या 2 (दो) में किसी एक श्लोक में प्रयुक्त पदों के आधार पर संधि, समास, प्रकृति-प्रत्यय विषयक व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए।

अथवा

प्रश्न संख्या 4 (चार) में किसी एक श्लोक में प्रयुक्त पदों के आधार पर संधि, समास, प्रकृति-प्रत्यय विषयक व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए।

खण्ड-स

इकाई-I

7. नीतिशतक के आधार पर "सत्संगतिः कथय किं न करोति पुंसाम्" को सिद्ध कीजिए।

इकाई-II

8. नीतिशतक के आधार पर "प्रकृतिसिद्धमिदं हि महात्मनाम्" को सिद्ध कीजिए।

इकाई-III

9. स्वप्नवासवदत्तम् के आधार पर नायिका का चरित्र-चित्रण कीजिए।

इकाई-IV

10. महाकवि भास की भाषा-शैली की विशेषताओं को बताइए।

इकाई-V

11. प्रश्न संख्या 5 (पाँच) के श्लोक में प्रयुक्त पदों के आधार पर संधि, समास, प्रकृति-प्रत्यय विषयक व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए।